बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

इब्राहीम से परमेश्वर का प्रतिज्ञा

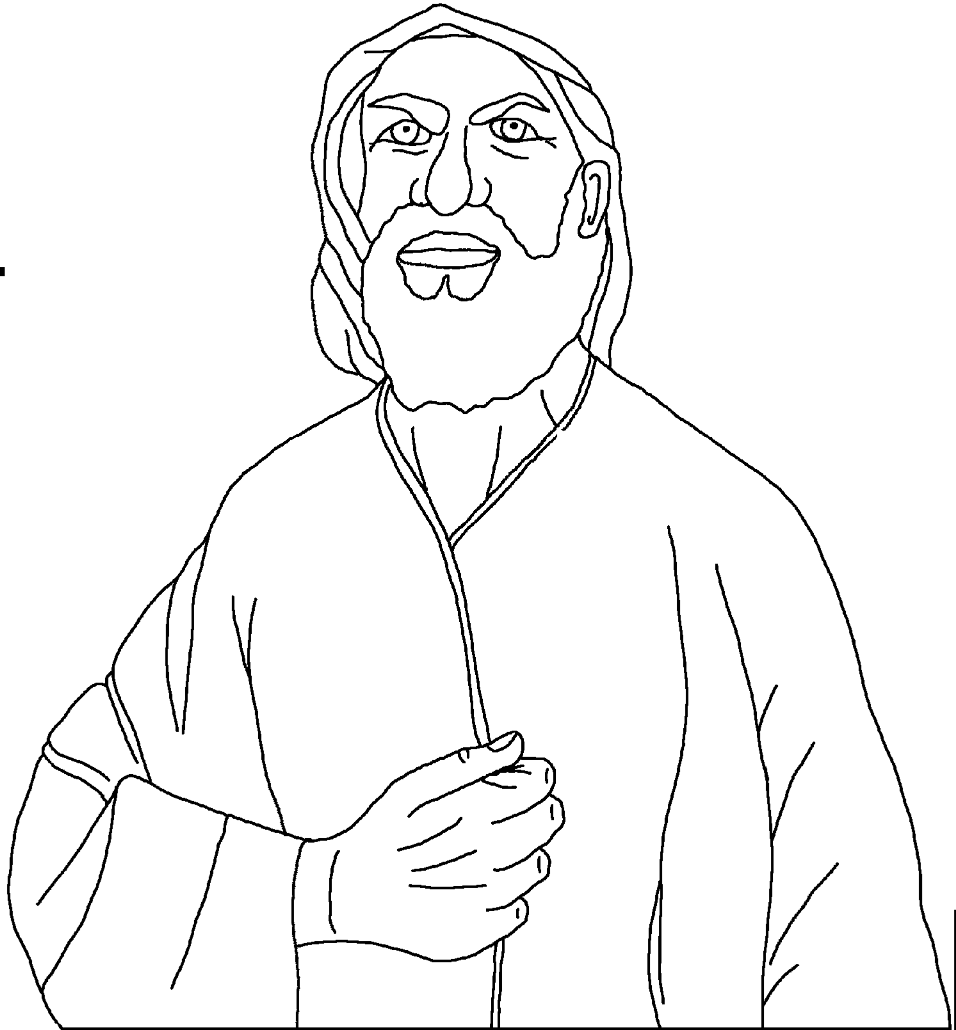

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Byron Unger; Lazarus
Alastair Paterson
रूपान्तरकार: M. Maillot; Tammy S.
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2021 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

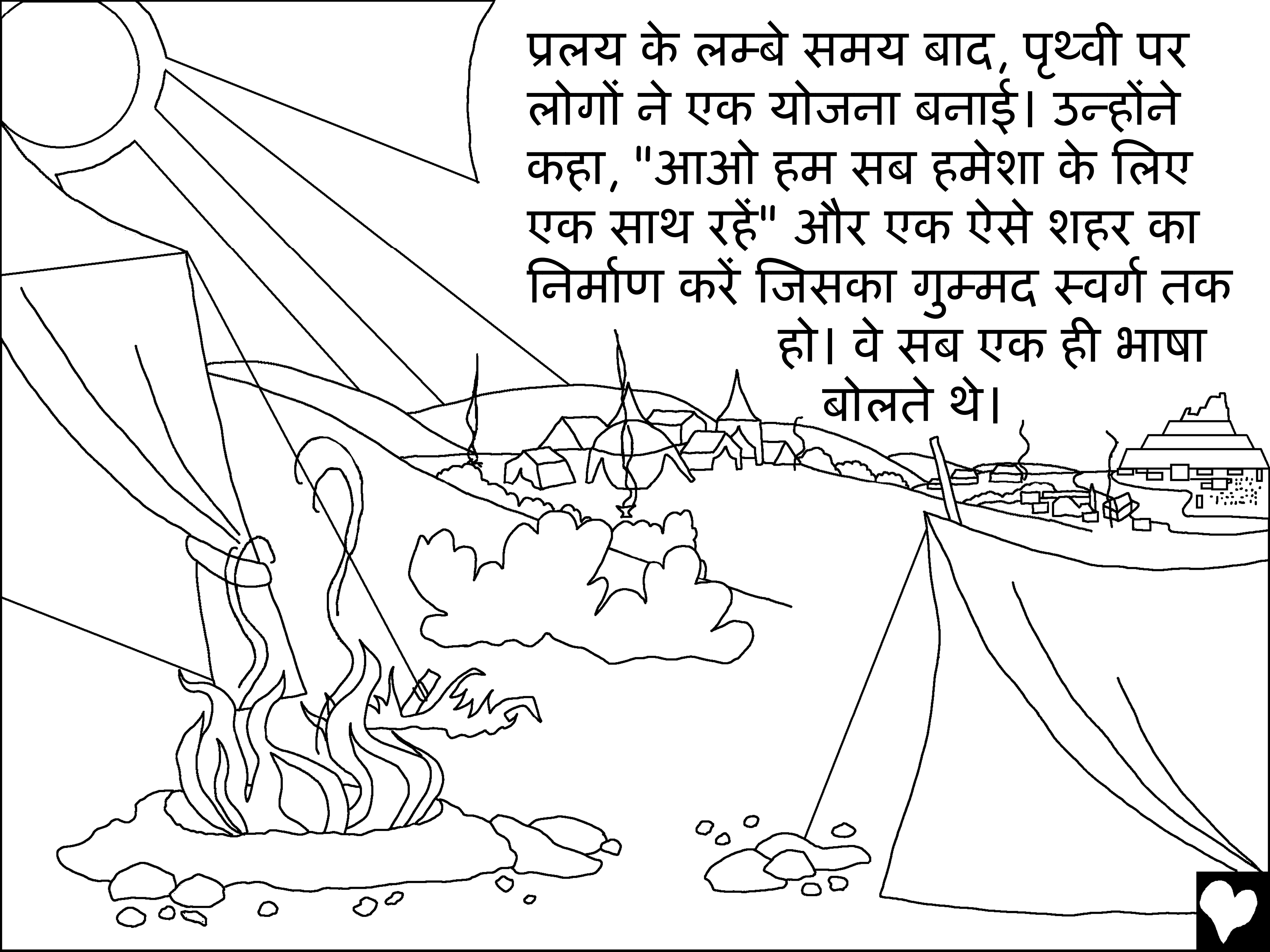

प्रलय के लम्बे समय बाद, पृथ्वी पर लोगों ने एक योजना बनाई। उन्होंने कहा, "आओ हम सब हमेशा के लिए एक साथ रहें" और एक ऐसे शहर का निर्माण करें जिसका गुम्मद स्वर्ग तक हो। वे सब एक ही भाषा बोलते थे।

परमेश्वर चाहता था कि उसके द्वारा रची
दुनिया में लोग चारो तरफ निवास करें।
इसलिये उसने कुछ ऐसा खाश किया।
परमेश्वर ने उन्हें नयी भाषाएँ दी। अचानक,
उस समुदाय के सब, अलग अलग
तरह से बातें करने लगे।

जितनों ने एक सामान भाषाएँ बोलीं, एक साथ होकर दूर चले गये। यहाँ तक कि न समझ पाने पर, एक दूसरे से वे डरने लगे।

इस तरह परमेश्वर ने विभिन्न सभी देशों को लोगों से भरा। शहर को जिसे वे छोड़कर चले गये उसे बाबेल के नाम से पुकारा गया, जिसका मतलब भ्रम है।

बर्षो बाद, चल्दीश के
उर नामक स्थान में,
परमेश्धर ने अब्राम
नामक व्यक्ति से बात
की। परमेश्धर ने आज्ञा
दी, "इस देश को छोड़
दे, उस देश को जा
जिसे मै तुम्हे
दिखाऊंगा।"

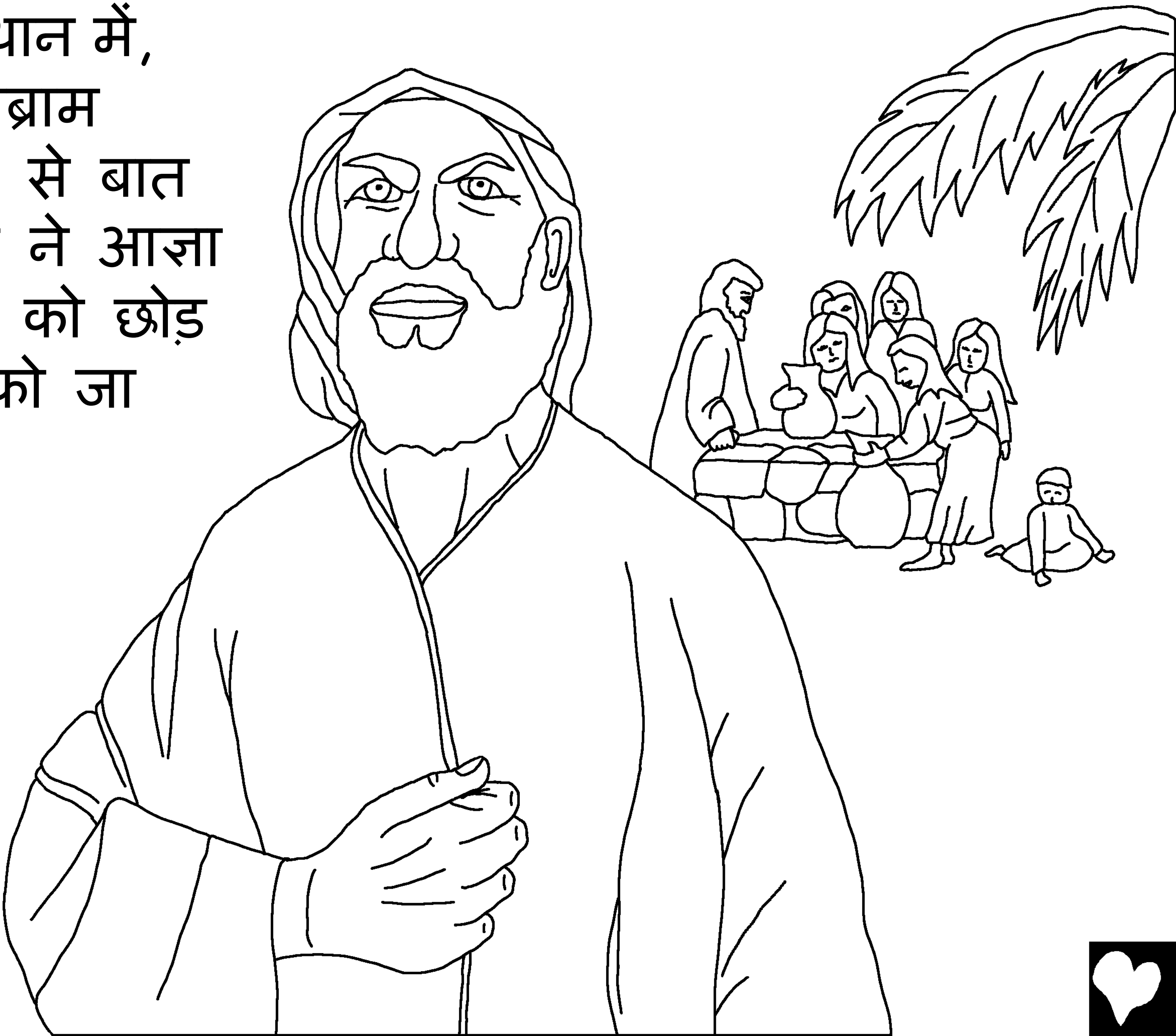

अब्राम ने आज्ञा मानी। परमेश्वर उसे कनान देश ले गया। उसकी पत्नी सराय और भतीजा लूत भी उसके साथ गया।

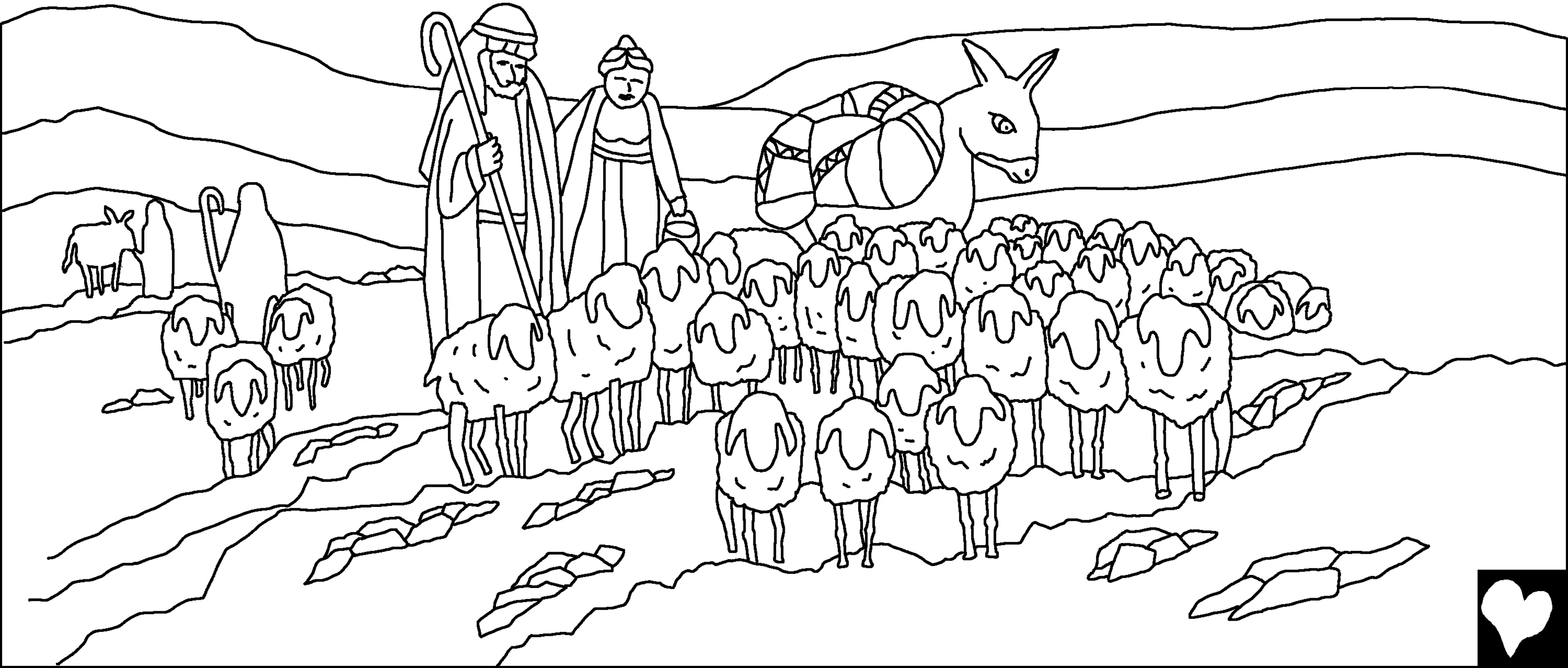

कनान देश में अब्राम और लूत दोनों ही बहुत धनवान हो गए। उनके पास मवेशियों की एक बड़ी झुण्ड हो गयी। अंततः इतने सारे जानवरों के लिए पर्याप्त चरागाह नहीं बचा।

तब लूत के चरवाहों ने अब्राम के चरवाहों साथ झगड़ा किया। अब्राम ने कहा, "आओ हम अलग हो जाएं" ताकि हमारे बीच कोई मुसीबत न खड़ी हो जाए। "लूत, भूमि की पहली पसंद, जो तुम चाहते हो ले लो।"

लूत ने शहरों और गांवों के साथ बिंदीदार एक महान घास के मैदान को चुना। वह बहुत अच्छा लग रहा था। लेकिन उन शहरों में बहुत दुष्ट स्थान भी थे।

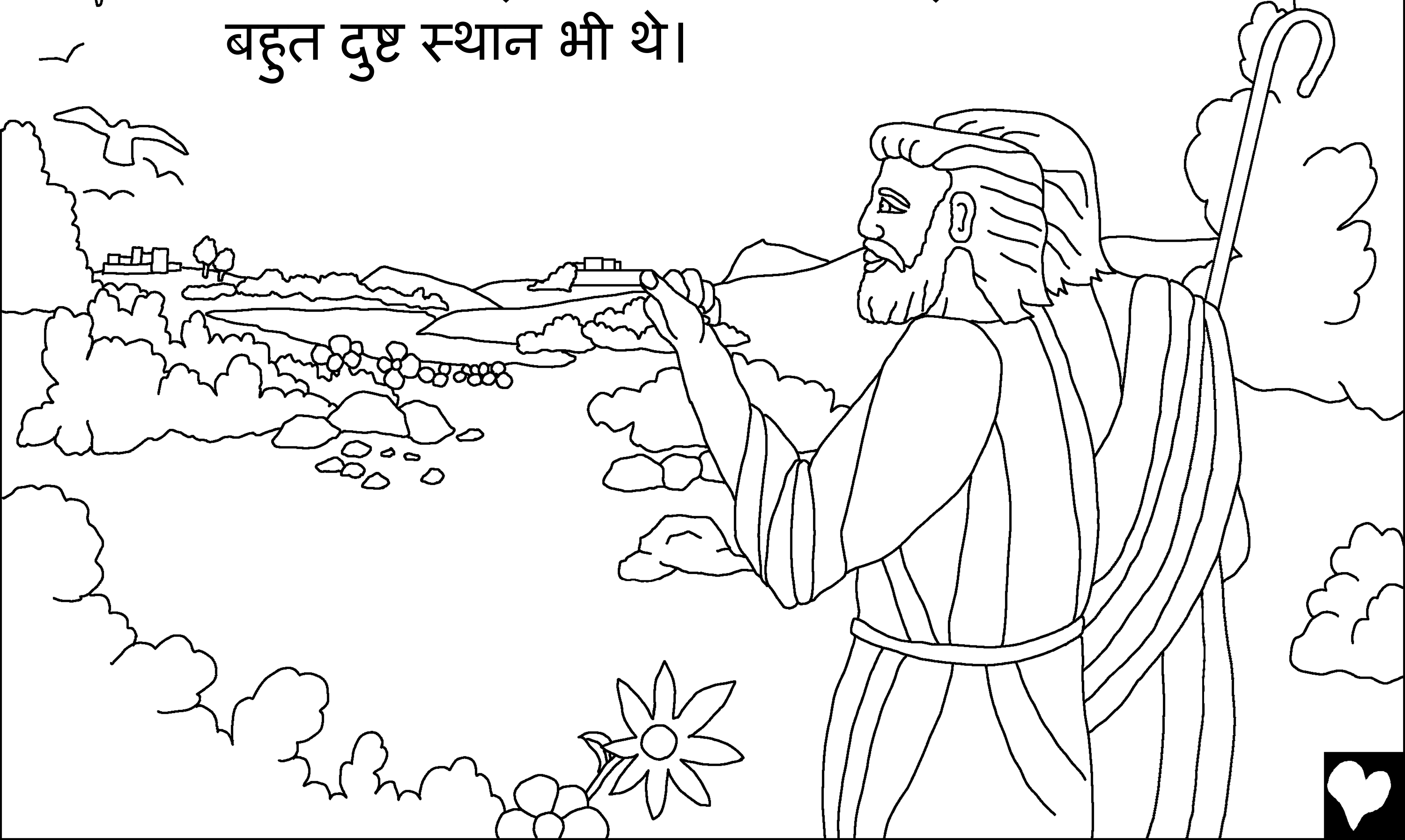

लूत के चले जाने के बाद, परमेश्वर ने अब्राम से फिर से बात की। "मैं तुम्हें और तुम्हारे बच्चों के लिए इस कनान के सारे देश को सदा के लिए देता हूँ।"

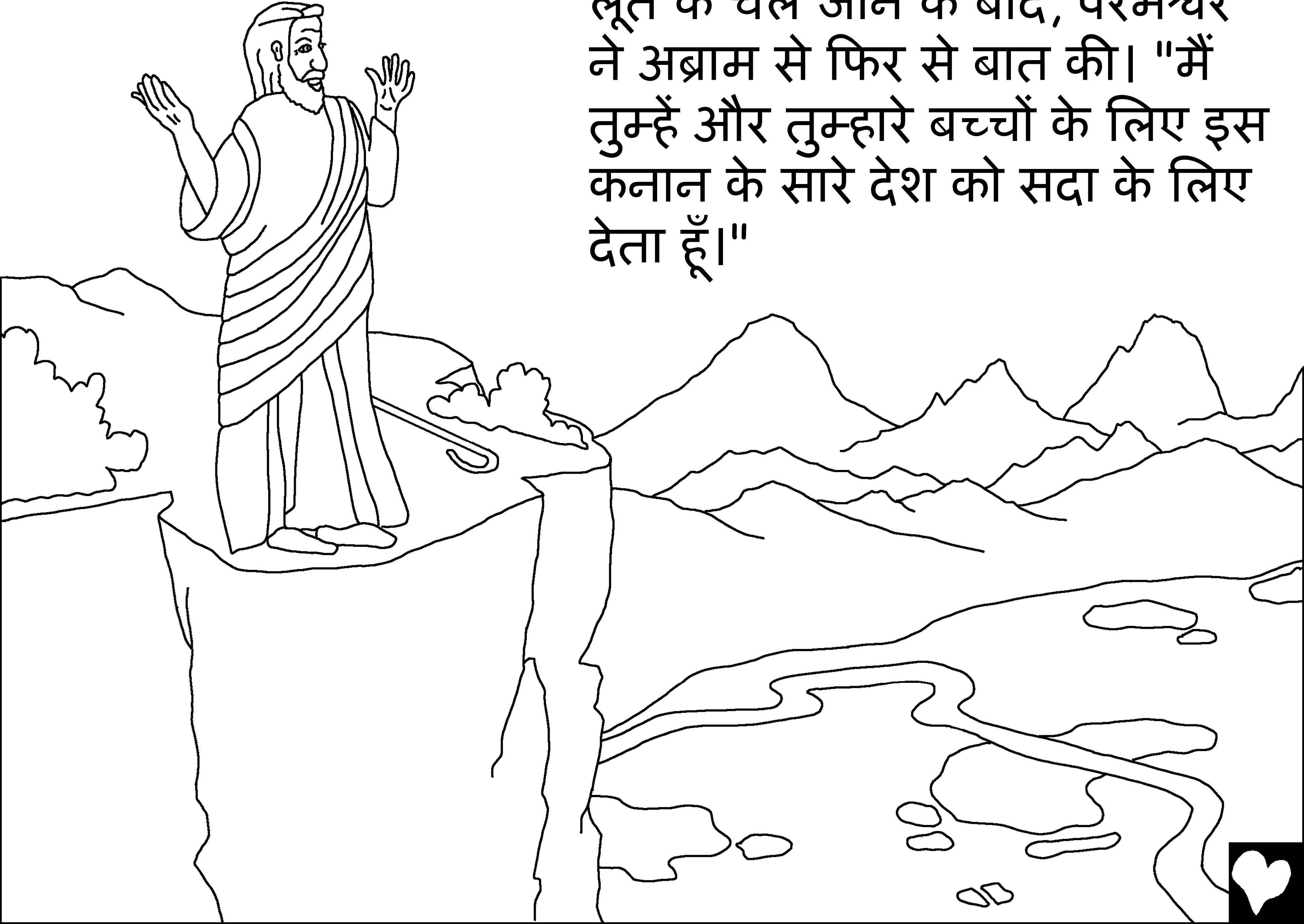

अब्राम और सराय का कोई बच्चा नहीं था। इतना महान प्रतिज्ञा को परमेश्वर कैसे अपने तक सीमित रख सकता था।

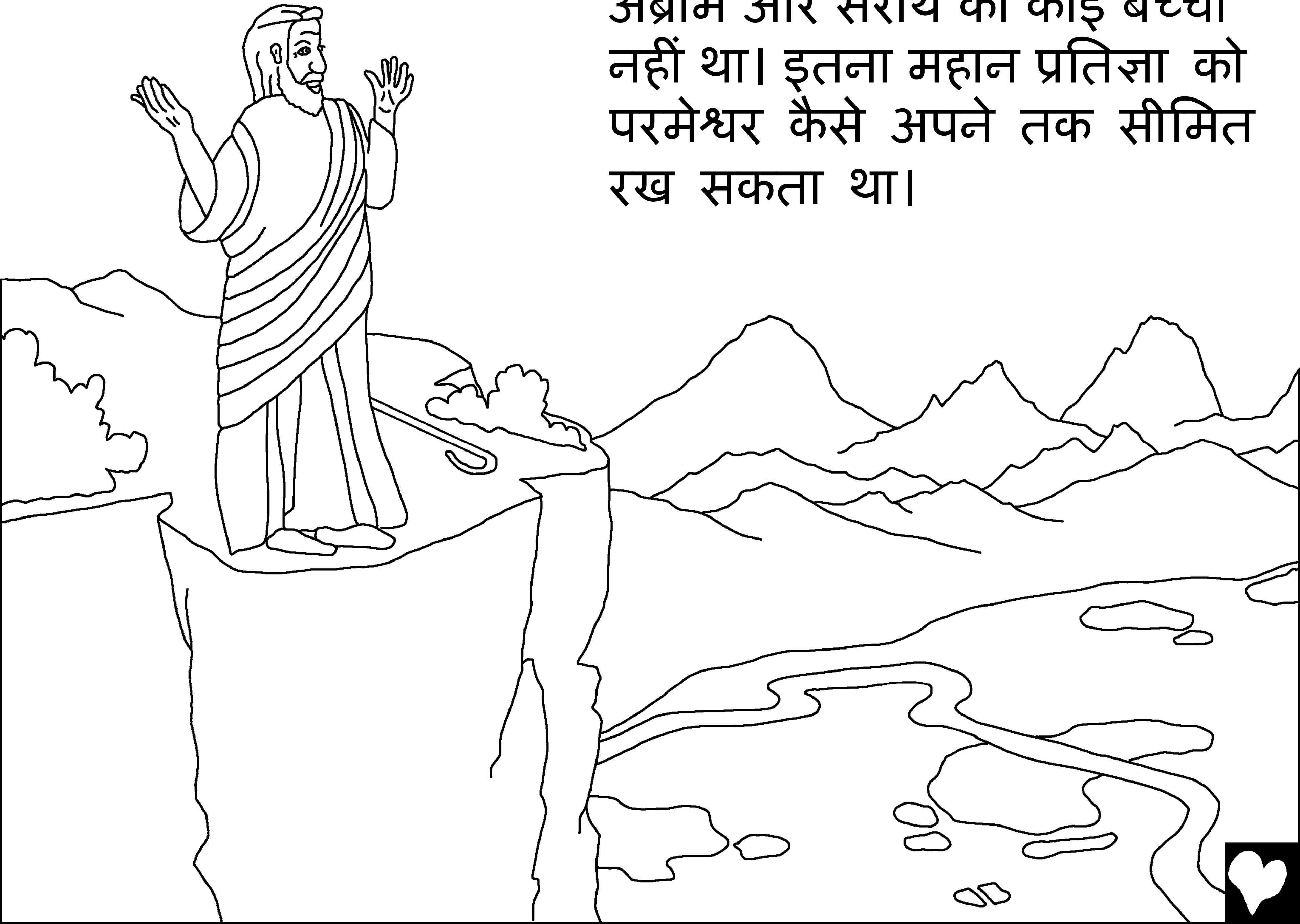

परमेश्वर की ओर से तीन
दूत अब्राम और सराय के पास आये। उन्होंने कहा, "आपका जल्दी ही एक बेटा होगा।" सराय हँसी, वह परमेश्वर के संदेश पर विश्वास नहीं किया। वह नब्बे साल की थी।

परमेश्धर ने अब्राम से कहा कि वह अब इब्राहीम के नाम
से और सराय, सारा के नाम से बुलायी जाएगी।

परमेश्वर ने इब्राहीम को यह भी कहा कि वह सदोम और गमोरा के दो दुष्ट शहरों को नष्ट करेगा। इब्राहीम का भतीजा लूत अपने परिवार के साथ सदोम में रहता था।

लूत ने परमेश्वर की चेतावनी मानी, लेकिन उसकी बेटियों के 'पति सदोम छोड़ने से मना कर दिया। कितना दुखदः है! वे परमेश्वर के वचन पर विश्वास नहीं किये।

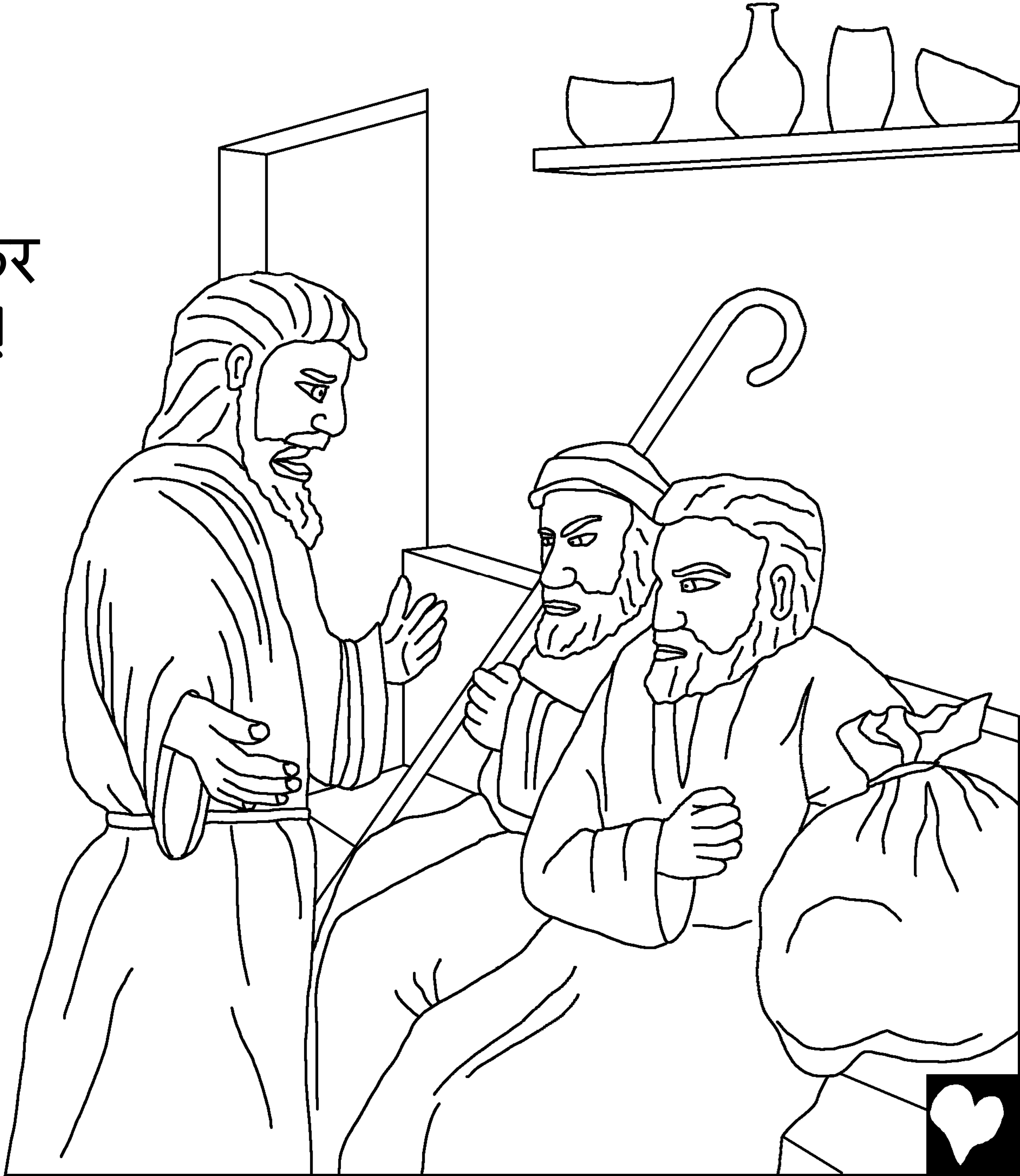

आग और गंधक उन दुष्ट शहरों पर गिरा। पर केवल लूत और उसकी दो बेटियाँ ही सुरक्षित बच पायीं।

अफसोस की बात है कि, लूत की
पत्नी परमेश्वर की चेतावनी नहीं मानी
और वह भागते हुए वापस पीछे मुड़कर
देखा। वह नमक का
एक स्तंभ बन गयी।

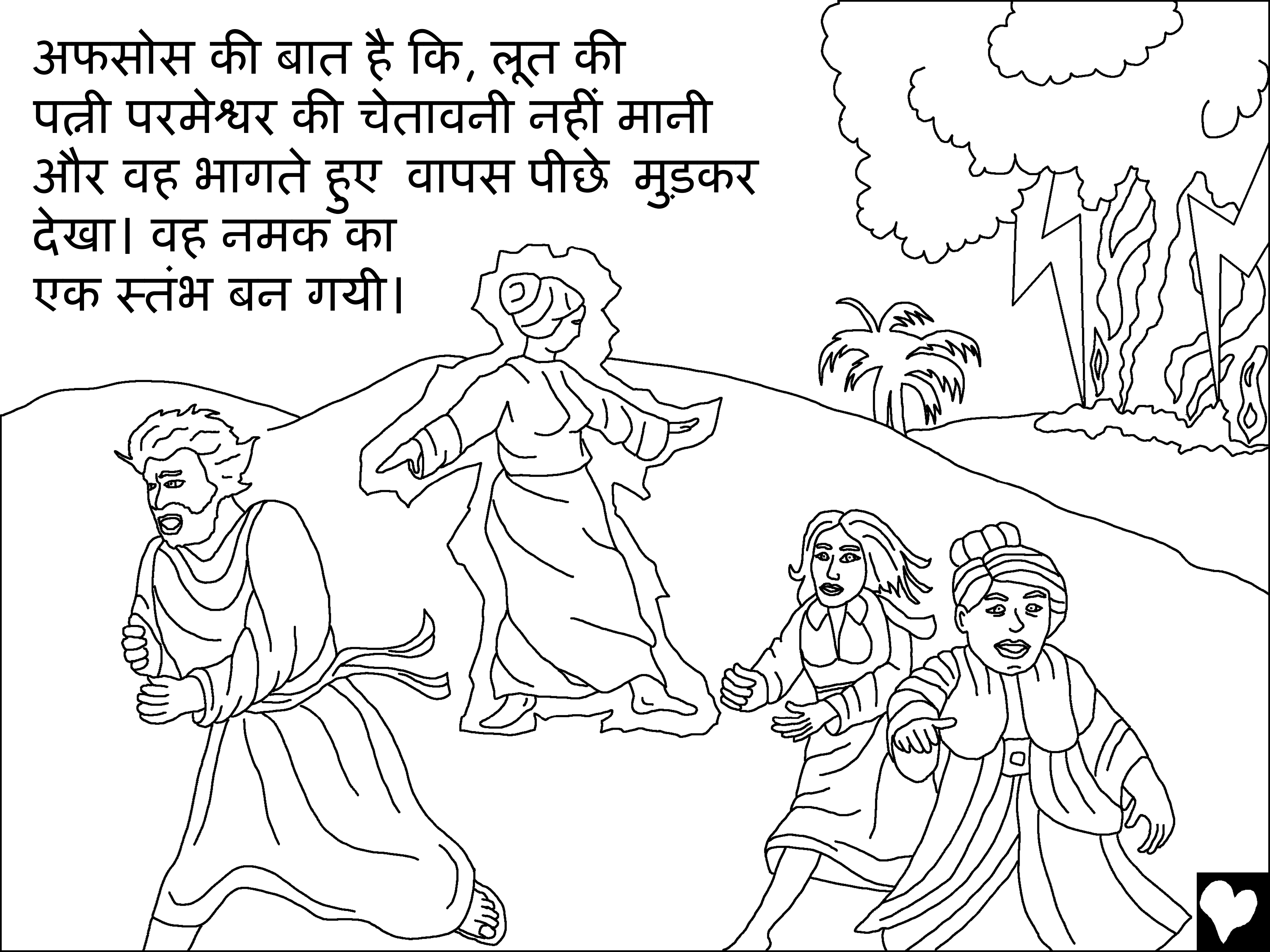

यहोवा, इब्राहीम और सारा के साथ अपने वायदे को बनाये रखा। जैसा परमेश्वर ने उनसे कहा था, वैसा ही, उनके बुढ़ापे में एक पुत्र पैदा हुआ। इसहाक के पैदा होने पर वे बहुत ही आनंदित हुए।

सम्भवतः इब्राहीम भी परमेश्वर के वायदे को सोचते रहा कि, कनान देश सदा के लिए उसे और उसके बच्चों को मिलेगा। परमेश्वर सदैव ही प्रतिज्ञा पूरा करता है, इस लिए इसे भी पूरा करेगा।

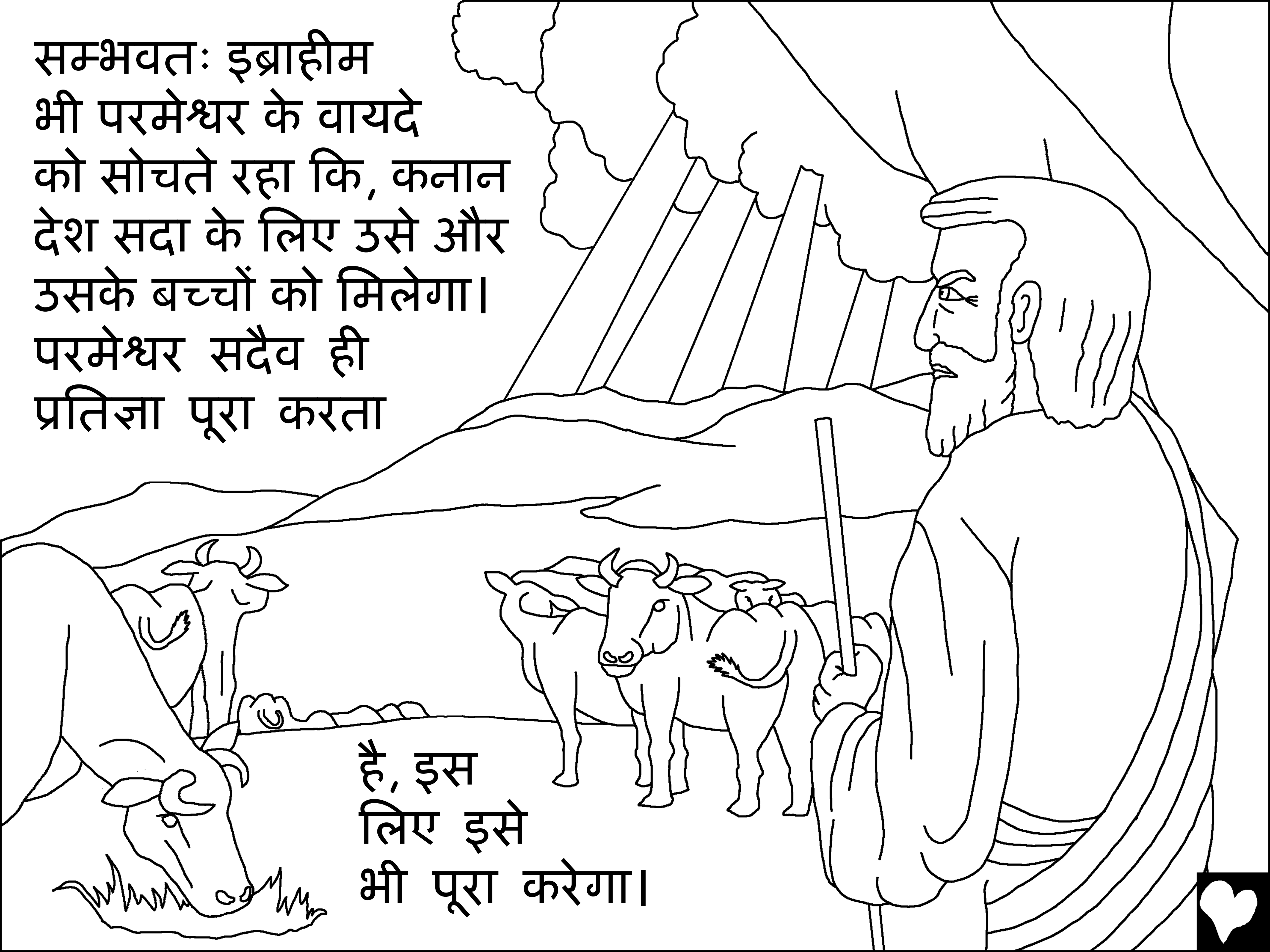

इब्राहीम से परमेश्वर का प्रतिज्ञा

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

उत्पत्ति 11-21

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16